11 नीति के दोहे

रहीम

(जन्म : सन्. 1556 मृत्यु : सन् 1627)

रहीम का पूरा नाम अबदुर्रहीम खानखाना था। इनका जन्म लाहौर में हुआ था। वे अकबर बादशाह के संरक्षक बैरम खाँ के पुत्र थे। उन्होंने सम्राट अकबर और जहाँगीर के दरबार में प्रशासनिक, राजनैतिक एवं सैन्य संचालन की कुशलता सिद्ध करके उच्च स्थान प्राप्त किया था। वे अकबर के दरबारी नवरत्नों में से एक थे।

रहीम कलम तथा तलवार दोनों के धनी थे। वे हिन्दी, संस्कृत अरबी, फारसी, तुर्की, अवधी, ब्रजभाषा, फ्रैंच तथा अंग्रेजी भाषा के अच्छे ज्ञाता थे। रहीम सतसई, श्रृंगार सतसई, मदनाष्टक, रासपंचाध्यायी,रहीम रत्नावली, बैरवै नायिका भेद आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

यहाँ 'नीति के दोहों' में आचरण की शुद्धता पर बल दिया है। जीवन का सत्य उजागर करनेवाले इन संकलित दोहों में शक्ति की महत्ता, मैत्री, संगति का फल, वाणी का प्रभाव, योग्यता, बड़े-छोटे का भेद दरिद्रता, कृपण, जिह्वा की विशेषता, एवं उदारता का मार्मिक चित्रण है।

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष चून॥

जे गरीब पर हित करैं, ते रहीम बड़ लोग।
कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग॥

कदली सीप भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन।
जैसी संगति बैठिए, तैसो ही फल दीन॥

दोनों रहिमन एक से, जौ लौं बोलत नाहिं।
जानि परत हैं काक-पिक, ऋतु वसंत के माँहिं॥

जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारौ लगै, बढ़ै अँधेरो होय॥

ओछो काम बड़े करै, तौ न बड़ाई होय।
ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरधर कहै न कोय॥

दीन सबन को लखत हैं, दीनहिं लखै न कोय।
जो रहीम दीनहिं लखै, दीनबंधु सम होय॥

नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।
ते रहीम पशु से अधिक, रीझेहु कछु न देत॥

रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल॥

तासों ही कुछ पाइए, कीजै जाकी आस।
रीते सरवर पर गए, कैसे बुझै पियास॥

शब्दार्थ-टिप्पणी

पानी शक्ति, सत्व, तेज **सून** शून्य **उबरै** निखरे **हित** मित्र **लाभ** फायदा **बापुरो** बेचारा, कमजोर **मिताई** मित्रता **जोग** योग्य **सीप** छीप के अंदर रहनेवाला जीव **स्वाति** एक नक्षत्र **जौ-लौ** जब-तक **कपूत** कुपुत्र **गति** दशा, चाल **सोय** वही **नाद** आवाज **रीझि** खुश होकर **जिहवा** जबान, जीभ **बावरी** पागल **सरग-पताल** अच्छा बुरा **आपु** स्वयं, खुद **कपाल** मस्तक **तासौ** उससे **आस** आशा, उम्मीद **रीते** खाली, **पियास** प्यास

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) बिना पानी के सब कैसा होता है ?

(क) भयानक (ख) सूना (ग) व्याकुल (घ) सुखा

(2) वसंतऋतु का नाता किसके साथ है ?

(क) मोर (ख) आम (ग) पिक (घ) पपीहा

(3) रहीम जिह्वा की तुलना किससे करते हैं ?

(क) पागल (ख) जूती (ग) पाताल (घ) धरती

(4) रहीम के अनुसार पशु से नीचा कौन है ?

(क) तम देता है (ख) मन देता है (ग) धन देता है (घ) कुछ नहीं देता है

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

(1) रहीम के अनुसरार बड़ा कौन है ?

(2) कवि दीप के दृष्टांत द्वारा क्या कहना चाहते हैं ?

(3) कवि के अनुसार दीनबन्धु कौन है ?

(4) रहीम ने किन लोगों को पशु से भी बदतर बताया है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो - दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(1) संगति का नतीजा कैसा होता है ?

(2) रहीम किन्हें बड़ा आदमी कहते हैं ?

(3) रहीम जिह्वा को बावरी क्यों कहते हैं ?

(4) कौआ और कोयल का भेद कब खुलता है ?

4. भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(1) पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष चून।

(2) ओछो काम बड़े करैं, तौ न बड़ाई होय।

ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरधर कहै न कोय॥

(3) बारे उजियारौ लगै, बढ़ै अँधेरो होय॥

रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल।

(4) आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल॥

योग्यता-विस्तार

विद्यार्थी-प्रवृत्ति

- बिहारी तथा कबीर के नीति विषयक दोहों का संकलन कीजिए।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- रहीम के दोहों को भिन्न-भिन्न रागों में गाकर या गवाकर सुनाइए।

●